

जाग जाग नगरी का राजा देसी भजन लिरिक्स



जाग जाग नगरी का राजा,
सुता शेर जगाया,
नगर में जुना योगी आया।bd।

पवन स्वरूपी रूप नहीं रेता,
मन का डेरू चलाया,
तन मन का एक तार लगाया,
ब्रम्हावेद ओलखाया,
नगर में जुना योगी आया।bd।

नाभ कलंग में क्रक्ति का वासा,
वापे ज्ञान लगाया,
उणी आसन मारा सतगुरू बैठा,
पल पल दर्शन पाया,
नगर में जुना योगी आया।bd।

झरणा री जोली ममता री माला,
फेरी फरता आया,
अरे फेरी गाले बाबो कछुने लेवे,
नरभे रा नाम कमाया,
नगर में जुना योगी आया।bd।

पांच तत्व रे पच्चीस भक्तिया,
अके नाल समझाया,
सिरगुण से तो निरगुण न्यारा,
ऐ बेटी बाप ने धाया,
नगर में जुना योगी आया।bd।

जाग्योड़ा जीव जुगाजुग जागा,
हे सुतोड़ा पछताया,
मच्छिन्द्र प्रताप जति गोरख जी बोले,

हे सुस्ता बो शेर जगाया,
समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इंटरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiyari.com>



जाग जाग नगरी का राजा,
सुता शेर जगाया,
नगर में जुना योगी आया।bd।

गायक – धूल सिंह जी कड़ीवाल ।
प्रेषक – मुकेश गोस्वामी कुंडिया ।
8094684545